ॐ

॥ सनातन पावन वाङ्मय संग्रह • अवध प्रान्त पीठ ॥

श्री कनकधारा स्तोत्रम्

Shri Kanakadhara Stotram

संस्करण / Edition: प्रामाणिक कल्याण Gorakhpur पाठ • **व्याप्ति / Scope:** सम्पूर्ण पाठ (Complete)
प्रकाशन / Version: v • 20 Oct 2026 • **संस्थान / Publisher:** श्री अविगत अखाड़ा (Avhigat Akhara Trust)

॥ पावन माहात्म्य एवं प्रामाणिक सन्दर्भ ॥

Composed in classical Sanskrit and traditionally attributed to Jagadguru Adi Shankaracharya, Shri Kanakadhara Stotram is a sublime 21-shloka hymn meditating upon the compassionate and auspicious glances (kataksha) of Mother Mahalakshmi, the embodiment of supreme spiritual and temporal grace.

SHLOKA 1: THE BEE ON THE LOTUS

अङ्गं हरेः पुलकभूषणमाश्रयन्ती
भृङ्गाङ्गनेव मुकुलाभरणं तमालम् ।
अङ्गीकृताखिलविभूतिरपाङ्गलीला
माङ्गल्यदास्तु मम मङ्गलदेवतायाः ॥ १ ॥

सरल हिंदी अर्थ: जिस प्रकार भ्रमरी कलियों से सुशोभित तमाल वृक्ष का आश्रय लेती है, उसी प्रकार जो श्रीहरि के रोमांचित अंगों का आश्रय ग्रहण करती हैं और जिनमें समस्त ऐश्वर्य समाहित हैं, उन परम मंगलमयी माँ लक्ष्मी की कृपा-कटाक्ष दृष्टि मेरे लिए कल्याणकारी हो।

Simple English: Just as a female bee rests upon a dark Tamala tree adorned with blossoms, so does the glance of Mother Lakshmi rest upon Lord Hari whose limbs thrill with joy. May that playful, benevolent side-glance of the Goddess of auspiciousness, embodying all divine glories, bestow eternal well-being upon me.

SHLOKA 2: THE REPEATED GLANCE OF LOVE

मुग्धा मुहुर्विदधती वदने मुरारेः
प्रेमत्रपाप्रणयितानि गतागतानि ।
माला दृशोर्मधुकरीव महोत्पले या
सा मे श्रियं दिशतु सागरसंभवायाः ॥ २ ॥

सरल हिंदी अर्थ: जो मुग्ध होकर प्रेम और लज्जा के भाव से मुरारी (श्रीकृष्ण) के मुखारविंद पर बार-बार आती और लौटती हैं—जैसे महान नीलकमल पर भंवरी की पंक्ति मँडराती है—क्षीरसागर से प्रकट हुई माँ लक्ष्मी की वे नयन-पंक्तियाँ मुझे आध्यात्मिक समृद्धि प्रदान करें।

Simple English: Like a garland of bees hovering repeatedly over a blossoming blue lotus, the innocent glance of the Ocean-born Goddess moves back and forth upon Murari's countenance with sweet shyness and love. May that divine gaze bestow auspicious spiritual wealth upon me.

SHLOKA 3: THE OCEAN OF BLISS

आमीलिताक्षमधिगम्य मुदा मुकुन्दम्
आनन्दकन्दमनिमेषमनङ्गतन्त्रम् ।
आकेकरस्थितकनीनिकपक्ष्मनेत्रं
भूत्यै भवेन्मम भुजङ्गशयाङ्गनायाः ॥ ३ ॥

सरल हिंदी अर्थ: आनंदकंद भगवान मुकुंद के अर्द्ध-निमीलित नेत्रों को देखकर जो आनंद से भर जाती हैं, शेषशायी श्रीहरि की उन प्राणवल्लभा माँ लक्ष्मी के प्रेम-विभोर, मंद-मुस्कान युक्त नयन मेरे सर्वतोभावेन कल्याण के निमित्त हों।

Simple English: Gazing joyfully upon Mukunda, the fountainhead of bliss resting serenely on the serpent couch, the half-closed, softly curved eyelashes of His divine Consort shimmer with supreme grace. May those gentle eyes bring about my spiritual upliftment.

SHLOKA 4: RESTING ON THE KAUSTUBHA JEWEL

बाह्वन्तरे मधुजितः श्रितकौस्तुभे या
हारावलीव हरिनीलमयी विभाति ।
कामप्रदा भगवतोऽपि कटाक्षमाला
कल्याणमावहतु मे कमलालयायाः ॥ ४ ॥

सरल हिंदी अर्थ: मधुसूदन के वक्षःस्थल पर जहाँ कौस्तुभ मणि विराजमान है, जो नीलमणि के हार के समान सुशोभित होती हैं और स्वयं भगवान की भी समस्त कामनाओं को पूर्ण करने वाली हैं, कमलवासिनी माँ लक्ष्मी की वह कृपा-कटाक्ष माला मेरा कल्याण करे।

Simple English: Resting upon the breast of Lord Vishnu alongside the sparkling Kaustubha gem, Her glance shines like a brilliant necklace of blue sapphires, fulfilling even the divine wishes of the Lord Himself. May that garland of glances from the Lotus-dwelling Mother shower blessings upon me.

SHLOKA 5: THE FLASH OF LIGHTNING

कालाम्बुदालिललितोरसि कैटभारेः
धाराधरे स्फुरति या तटिदङ्गनेव ।
मातुः समस्तजगतां महनीयमूर्तिः
भद्राणि मे दिशतु भार्गवनन्दनायाः ॥ ५ ॥

सरल हिंदी अर्थ: कैटभारि (भगवान विष्णु) के श्याम मेघ सदृश मनोहर वक्षःस्थल पर जो विद्युत्-लता के समान देदीप्यमान होती हैं, समस्त चराचर जगत की माता, भृगु-पुत्री माँ लक्ष्मी की वह पूज्य प्रतिमा मुझे सर्वमंगल प्रदान करे।

Simple English: Flashing like a brilliant streak of golden lightning upon the dark raincloud-like chest of Lord Vishnu (the foe of Kaitabha), the universally revered form of Bhrigu's daughter, the Mother of all creation, may She bestow eternal auspiciousness upon me.

SHLOKA 6: THE CONQUEST OF KAMADEVA

प्राप्तं पदं प्रथमतः किल यत्प्रभावात्
माङ्गल्यभाजि मधुमाथिनि मन्मथेन ।
मय्यापतेत्तदिह मन्थरमीक्षणार्धं
मन्दालसं च मकरालयकन्यकायाः ॥ ६ ॥

सरल हिंदी अर्थ: जिनके पावन प्रभाव से कामदेव ने मंगलमय मधुसूदन के हृदय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, क्षीरसमुद्र की सुपुत्री माँ लक्ष्मी का वह सौम्य, अलसाया और कृपापूर्ण अर्द्ध-कटाक्ष मुझ पर भी पड़े।

Simple English: By whose grace alone the god of love (Manmatha) found sovereign entry into the auspicious heart of Lord Madhusudana, may that gentle, slowly moving half-glance of the Daughter of the Ocean fall tenderly upon me.

SHLOKA 7: BESTOWER OF KINGSHIP

विश्वामरेन्द्रपदविभ्रमदानदक्षम्
आनन्दहेतुरधिकं मुरविद्विषोऽपि ।
ईषन्निषीदतु मयि क्षणमीक्षणार्धम्
इन्दीवरोदरसहोदरमिन्दिरायाः ॥ ७ ॥

सरल हिंदी अर्थ: जो दृष्टि देवराज इन्द्र के पद और संपूर्ण लोकों के ऐश्वर्य को प्रदान करने में समर्थ है, और जो मुरारि श्रीकृष्ण के लिए भी परम आनंद का कारण है, नीलकमल के भीतरी भाग के समान कोमल इंदिरा (लक्ष्मी) का वह कटाक्ष क्षणभर के लिए मुझ पर भी ठहरे।

Simple English: Capable of granting the exalted status of Indra over all the worlds, and the source of supreme bliss even to the conqueror of Mura, may that glance of Indira, tender as the heart of a blue lotus, rest upon me for even a single fraction of a moment.

SHLOKA 8: GRANTING THE ABODE OF HEAVEN

इष्टा विशिष्टमतयोऽपि यया दयार्द्र-
दृष्ट्या त्रिविष्टपपदं सुलभं लभन्ते ।
दृष्टिः प्रहृष्टकमलोदरदीप्तिरिष्टां
पुष्टिं कृषीष्ट मम पुष्करविष्टरायाः ॥ ८ ॥

सरल हिंदी अर्थ: जिनकी दयार्द्र दृष्टि के प्रभाव से विशिष्ट बुद्धिमान साधक भी दुर्लभ स्वर्गपद को सरलता से प्राप्त कर लेते हैं, खिले हुए कमल के भीतरी भाग जैसी कांति वाली, कमलवासिनी माँ लक्ष्मी की वह कृपादृष्टि मुझे अभीष्ट आत्म-पुष्टि प्रदान करे।

Simple English: Through whose compassion-laden gaze devoted seekers easily attain the heavenly realms, may that glance of Mother Lakshmi, resplendent like the core of an open lotus resting upon Her lotus throne, nourish my heart with divine spiritual abundance.

SHLOKA 9: THE RAIN OF GRACE DISPELLING THE HEAT

दद्याद्दयानुपवनो द्रविणाम्बुधारां
अस्मिन्नकिञ्चनविहङ्गशिशौ विषण्णे ।
दुष्कर्मघर्ममपनीय चिराय दूरं
नारायणप्रणयिनीनयनाम्बुवाहः ॥ ९ ॥

सरल हिंदी अर्थ: पूर्व संचित दुष्कर्म रूपी भीषण ग्रीष्म-ताप को सदा के लिए दूर कर, नारायण की प्राणप्रिया के नयन रूपी मेघ अपनी दया रूपी अनुकूल पवन से मुझ दीन-हीन विहंग-शिशु (चातक पक्षी के बच्चे) पर कृपारूपी अमृत-जल की धारा बरसाएं।

Simple English: Dispelling the scorching summer heat of past accumulated misdeeds, may the dark raincloud of Narayana's Beloved's eyes, stirred by the gentle breeze of Her boundless compassion, pour down a rain of spiritual treasures upon this helpless, distressed nestling bird of a seeker.

SHLOKA 10: ADORATION TO THE TRIPLE FORM

गीर्देवतेति गरुडध्वजसुन्दरीति
शाकम्भरीति शशिशेखरवल्लभेति ।
सृष्टिस्थितिप्रलयकेलिषु संस्थितायै
तस्यै नमस्त्रिभुवनैकगुरोस्तरुण्यै ॥ १० ॥

सरल हिंदी अर्थ: सृष्टि, स्थिति और प्रलय की दिव्य लीलाओं में जो क्रमशः सरस्वती (गीर्देवता), लक्ष्मी (गरुड़ध्वज-सुन्दरी), शाकम्भरी तथा पार्वती (शशिशेखर-वल्लभा) के रूप में स्थित हैं, त्रिभुवन के एकमात्र गुरु भगवान नारायण की उस नित्य-युवा शक्ति महालक्ष्मी को मेरा बारम्बार प्रणाम।

Simple English: Salutations to Her who, in the cosmic play of creation, preservation, and dissolution, is known as Saraswati (the goddess of speech), Lakshmi (the consort of Lord Vishnu), Shakambhari, and Parvati (the beloved of Shiva with the crescent moon)—the eternal youthful Power of the Supreme Preceptor of the three worlds.

SHLOKA 11: SALUTATIONS TO THE VEDIC PERSONIFICATION

श्रुत्यै नमोऽस्तु शुभकर्मफलप्रसूत्यै
रत्यै नमोऽस्तु रमणीयगुणाश्रयायै ।
शक्त्यै नमोऽस्तु शतपत्रनिकेतनायै
पुष्ट्यै नमोऽस्तु पुरुषोत्तमवल्लभायै ॥ ११ ॥

सरल हिंदी अर्थ: शुभ कर्मों के फल को उत्पन्न करने वाली वेदरूपा (श्रुति) को प्रणाम! रमणीय गुणों की आश्रयदात्री रतिरूपा को प्रणाम! शतदल कमल में निवास करने वाली पराशक्ति को प्रणाम! और पुरुषोत्तम श्रीहरि की प्राणवल्लभा पुष्टिरूपा माँ लक्ष्मी को मेरा प्रणाम!

Simple English: Salutations to You as Shruti (the Vedas), the dispenser of the auspicious fruits of righteous deeds! Salutations to You as Rati, the sanctuary of all delightful virtues! Salutations to You as supreme Shakti, dwelling in the thousand-petaled lotus! Salutations to You as Pushti (spiritual nourishment), the beloved Consort of Purushottama!

SHLOKA 12: SALUTATIONS TO THE RADIANT FACE

नमोऽस्तु नालीकनिभाननायै
नमोऽस्तु दुग्धोदधिजन्मभूम्यै ।
नमोऽस्तु सोमामृतसोदरायै
नमोऽस्तु नारायणवल्लभायै ॥ १२ ॥

सरल हिंदी अर्थ: कमल के समान सुंदर मुख वाली माँ को प्रणाम! क्षीरसागर से प्रकट होने वाली माता को प्रणाम! चंद्रमा और अमृत की सहोदरा भगवती को प्रणाम! और भगवान श्रीनारायण की परम प्रिया को मेरा बारंबार प्रणाम!

Simple English: Salutations to Her whose face resembles a blooming lotus! Salutations to Her whose birthplace is the sacred Ocean of Milk! Salutations to the twin sister of the Moon and the Divine Nectar! Salutations to the dearest beloved of Lord Narayana!

SHLOKA 13: SALUTATIONS TO THE LOTUS EYES

नमोऽस्तु हेमाम्बुजपीठिकायै
नमोऽस्तु भूमण्डलनायिकायै ।
नमोऽस्तु देवादिदयापरायै
नमोऽस्तु शार्ङ्गयुधवल्लभायै ॥ १३ ॥

सरल हिंदी अर्थ: स्वर्ण कमल के आसन पर विराजमान भगवती को प्रणाम! संपूर्ण भूमंडल की स्वामिनी को प्रणाम! देवताओं पर अहैतुकी दया करने वाली माता को प्रणाम! और शार्ङ्गधनुर्धर श्रीहरि की वल्लभा को मेरा प्रणाम!

Simple English: Salutations to Her who is seated upon a golden lotus throne! Salutations to the sovereign Ruler of the universe! Salutations to Her who showers unending mercy upon the gods! Salutations to the beloved Consort of the wielder of the Sharnga bow!

SHLOKA 14: DAUGHTER OF BHRIGU

नमोऽस्तु देव्यै भृगुनन्दनायै
नमोऽस्तु विष्णोरुरसि स्थितायै ।
नमोऽस्तु लक्ष्म्यै कमलालयायै
नमोऽस्तु दामोदरवल्लभायै ॥ १४ ॥

सरल हिंदी अर्थ: भृगुमुनि की कन्या देवी लक्ष्मी को प्रणाम! भगवान विष्णु के वक्षःस्थल पर नित्य वास करने वाली माता को प्रणाम! कमलनिवासिनी महालक्ष्मी को प्रणाम! और दामोदर श्रीहरि की प्रिया को मेरा प्रणाम!

Simple English: Salutations to the Goddess, the radiant daughter of Sage Bhrigu! Salutations to Her who eternally dwells upon the heart of Lord Vishnu! Salutations to Lakshmi seated in the lotus! Salutations to the beloved of Damodara!

SHLOKA 15: THE LOTUS-EYED MOTHER

नमोऽस्तु कान्त्यै कमलेक्षणायै
नमोऽस्तु भूत्यै भुवनप्रसूत्यै ।
नमोऽस्तु देवादिभिरर्चितायै
नमोऽस्तु नन्दात्मजवल्लभायै ॥ १५ ॥

सरल हिंदी अर्थ: कमलनयनी, कांतिस्वरूपा भगवती को प्रणाम! संपूर्ण ब्रह्मांड को जन्म देने वाली ऐश्वर्यरूपा माता को प्रणाम! समस्त देवताओं द्वारा पूजित देवी को प्रणाम! और नंदनंदन श्रीकृष्ण की प्राणवल्लभा को मेरा प्रणाम!

Simple English: Salutations to Her who possesses lotus eyes and radiant splendor! Salutations to the divine Abundance who gave birth to all the worlds! Salutations to Her who is worshipped by Indra and all the gods! Salutations to the beloved of the son of Nanda (Lord Krishna)!

SHLOKA 16: BESTOWER OF JOY TO DEVOTEES

सम्पत्कराणि सकलेन्द्रियनन्दनानि
साम्राज्यदानविभवानि सरोरुहाक्षि ।
त्वद्वन्दनानि दुरिताहरणोद्यतानि
मामेव मातरनिशं कलयन्तु मान्ये ॥ १६ ॥

सरल हिंदी अर्थ: हे कमलनयनी! आपकी वंदना समस्त संपत्तियों को देने वाली, सभी इंद्रियों को आनंदित करने वाली, साम्राज्य का वैभव प्रदान करने वाली तथा पापों को हरने वाली है। हे पूज्य मात! आपकी वह वंदना नित्य मेरे हृदय में प्रतिष्ठित रहे।

Simple English: O Lotus-eyed Mother! Devout salutations unto You bestow true wealth, rejoice every sense, grant the glory of sovereignty, and destroy all sins. O venerable Mother, may the privilege of continually worshipping You ever abide within my heart.

SHLOKA 17: WORSHIP IN THE HEART LOTUS

यत्कटाक्षसमुपासनाविधिः
सेवकस्य सकलार्थसम्पदः ।
सन्तनोति वचनाङ्गमानसैः
त्वां मुरारिहृदयेश्वरीं भजे ॥ १७ ॥

सरल हिंदी अर्थ: जिनके कृपा-कटाक्ष की उपासना-विधि सेवक को समस्त पुरुषार्थ और संपत्तियां प्रदान करती है, मन, वाणी और शरीर से उन मुरारि-हृदयेश्वरी माँ लक्ष्मी का मैं अनन्य भाव से भजन करता हूँ।

Simple English: The worship of whose compassionate glance bestows all four aims of life (dharma, artha, kama, moksha) upon Her devoted servant—with speech, body, and mind I worship You, the Queen of Murari's heart.

SHLOKA 18: SEATED UPON THE LOTUS

सरसिजनिलये सरोजहस्ते
धवलतमांशुकगन्धमाल्यशोभे ।
भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञे
त्रिभुवनभूतिकरि प्रसीद मह्यम् ॥ १८ ॥

सरल हिंदी अर्थ: कमल में निवास करने वाली, हाथ में कमल धारण करने वाली, अति श्वेत वस्त्र, चंदन और सुगंधित पुष्पमालाओं से सुशोभित, भगवान विष्णु की परमप्रिया, त्रिभुवन को ऐश्वर्य प्रदान करने वाली हे भगवती! आप मुझ पर प्रसन्न हों।

Simple English: O Dweller in the lotus! Holding lotuses in Your hands, adorned with dazzling white silken garments, fragrant sandal paste, and lovely garlands! O divine Mother, beloved of Hari, charming one who brings prosperity to the three worlds, be gracious unto me!

SHLOKA 19: THE ROYAL BATHE BY DIGGAJAS

दिग्धस्तिभिः कनककुम्भमुखावसृष्ट-
स्वर्वाहिनीविमलचारुजलप्लुताङ्गीम् ।
प्रातर्नमामि जगतां जननीमशेष-
लोकाधिनाथगृहिणीममृताब्धिपुत्रीम् ॥ १९ ॥

सरल हिंदी अर्थ: दिशाओं के गजराजों द्वारा सुवर्ण कलशों के मुख से बरसाए गए आकाशगंगा के निर्मल जल से जिनका श्रीअंग अभिषिक्त होता है, उन समस्त जगत की माता, अखिल लोकनाथ श्रीहरि की गृहणी, क्षीरसमुद्र की सुपुत्री माँ लक्ष्मी को मैं प्रातःकाल प्रणाम करता हूँ।

Simple English: Whose divine limbs are bathed by the mighty celestial elephants of the directions with the pristine waters of the heavenly Ganga flowing from the mouths of golden pitchers—in the morning I bow to Her, the Mother of all creation, the Queen of the Lord of all the worlds, the Daughter of the ocean of nectar.

SHLOKA 20: THE GLANCE BESTOWING SOVEREIGNTY

कमले कमलाक्षवल्लभे त्वं
करुणापूरतरङ्गितैरपाङ्गैः ।
अवलोकय मामकिञ्चनानां
प्रथमं मन्दिरमद्भुतप्रभावम् ॥ २० ॥

सरल हिंदी अर्थ: हे कमले! हे कमलनयन भगवान की प्राणप्रिया! आप करुणा की तरंगों से परिपूर्ण अपने कृपा-कटाक्ष से मुझ पर दृष्टिपात करें, जो कि निर्धनों और असहायों में सबसे अग्रगण्य हूँ, ताकि आपकी अद्भुत महिमा प्रकट हो सके।

Simple English: O Lotus-born Goddess! O beloved of the Lotus-eyed Lord! With Your side-glances overflowing with waves of compassion, cast Your merciful look upon me, who stands foremost among the destitute, so that Your wondrous power of grace may be revealed.

SHLOKA 21: CONCLUDING EULOGY TO SRI MAHALAKSHMI

देवि प्रसीद जगदीश्वरि लोकमातः
कल्याणगात्रि कमलेक्षणजीवनाथे ।
दारिद्र्यभीतिहृदयं शरणागतं माम्
आलोकय प्रतिदिनं सदयैरपाङ्गैः ॥ २१ ॥

सरल हिंदी अर्थ: हे देवि! हे जगदीश्वरी! हे जगतजननी! हे कल्याणमयी अंगों वाली! हे कमलनयन श्रीहरि के जीवन-सर्वस्व! दारिद्र्य और भय से व्याकुल होकर आपकी शरण में आए हुए मुझ सेवक पर प्रतिदिन अपनी दयामयी दृष्टि बनाए रखें।

Simple English: O Goddess! Be pleased, O Ruler of the cosmos, O Mother of all the worlds! O Embodiment of auspiciousness, O breath of life to the lotus-eyed Lord! Look daily with Your kind glances upon me, who have sought refuge in You with a heart afflicted by spiritual poverty and fear.

॥ प्रामाणिक संदर्भ, ग्रंथ शोध एवं सर्वाधिकार ॥

स्रोत ग्रंथ / Source: पारम्परिक प्रामाणिक पाठ, गीता प्रेस गोरखपुर
अभिलेख कोड / Fingerprint: SHA-256: `7ee42e1c8473a69e...`
सत्यापित डिजिटल प्रति / Canonical Web URL:
http://127.0.0.1:8002/resources/stotra/kanakadhara-stotram

यह पावन संकलन केवल व्यक्तिगत स्वाध्याय, नित्य पाठ एवं आध्यात्मिक साधना के निःशुल्क उपयोग हेतु प्रकाशित है। इसका किसी भी प्रकार का व्यावसायिक पुनरुत्पादन या विक्रय पूर्णतः वर्जित है।
This sacred publication is provided solely for personal devotion, daily recitation, and spiritual education. Commercial reproduction, resale, or unauthorized redistribution is strictly prohibited. • Avhigat Akhara Trust